दैनिक भास्कर
दिनांक 13-10-2021

**बिजली संकट** • देश के 137 पावर प्लांट में से 17 में कोयला खत्म

# हरियाणा में उत्पादन 56% घटा, पंजाब पावरकॉम ने सबसे महंगी बिजली खरीदी

**बोझ बढ़ा...** पंजाब ने 14 रु. प्रति यूनिट बिजली खरीदी, 12 दिन में 281.35 करोड़ रु. खर्च किए

**आगे क्या...** 3 दिन बाद फुल कैपेसिटी से चलने लगेंगे राज्य के थर्मल प्लांट

भास्कर न्यूज | पटियाला

कोयले की कमी के कारण बिजली संकट बरकरार है। देश के 135 पावर प्लांट्स में से 17 के पास एक दिन का भी कोयला नहीं है। हरियाणा के पावर प्लांट्स में बिजली उत्पादन में 56% की कमी आई है। वहीं डिमांड और सप्लाई का अंतर पूरा करने के लिए पंजाब में पावरकॉम ने अब तक की सबसे महंगी बिजली खरीदी। पावर एक्सचेंज के जरिए 14 रुपए 06 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से 25.91 मिलियन यूनिट की खरीद की गई। पिछले 12 दिन में पावरकॉम बिजली खरीद पर 281.35 करोड़ रुपए खर्च कर चुका है।

रोपड़ और गोइंदवाल (जीवीके) थर्मल प्लांट का 1-1 यूनिट चालू होने से पावरकॉम को कुछ राहत मिली है। दोनों यूनिट में 110-110 मेगावॉट बिजली ग्रोड्यूस होती है। अभी भी 5 से 7 घंटे तक पावर कट लग रहे हैं। प्रदेश के 5 थर्मल प्लांट चलाने के लिए हर रोज 22 रैक (88 हजार मीट्रिक टन) कोयले की जरूरत है। कोल इंडिया की ओर से कोटा आधा भेजा जा रहा है। सोमवार-मंगलवार मध्यरात्रि को 13 रैक पहुंचे। कोयले की कमी के कारण राजपुरा एनपीएल को छोड़ बाकी थर्मल प्लांट आधी कैपेसिटी से चल रहे हैं। पावरकॉम अफसरों के मुताबिक कोल इंडिया से 15 रैक लोड हो चुके हैं और एक-दो दिन में पहुंच जाएंगे। 52 रैक पाइपलाइन में हैं। 2-3 दिन में प्लांट पूरी क्षमता से चल सकते हैं।

**भास्कर पड़ताल: कोयला और बिजली की कमी की ताजा तस्वीर**

## पंजाब में बिजली उत्पादन 38% कम

अनिरुद्ध शर्मा | नई दिल्ली

देश में कोयला संकट और बिजली कटौती के बीच राज्यों के पावर प्लांट्स में बिजली उत्पादन की स्थिति की ताजा तस्वीर सामने आई है। सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के नेशनल पावर पोर्टल की मंगलवार की रिपोर्ट के मुताबिक, कई राज्यों के प्लांट्स अपनी क्षमता से कम बिजली उत्पादन कर पा रहे हैं। पोर्टल के मुताबिक, हरियाणा के पावर प्लांट्स में बिजली उत्पादन में 56% की कमी आई है। वहीं गुजरात के पॉवर प्लांट्स में 40% की कम बिजली बन रही है। मध्य प्रदेश में 35%तो महाराष्ट्र में 25 बिजली कम बन रही है। दूसरी तरफ पंजाब के पावर प्लांट्स में 38% कम बिजली बन पा रही है।

• शेष पेज 6 पर

**कोयला कोष: 137 में से 26 प्लांट्स में 1 दिन, 40 में 2-3 दिन का कोयला**

सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी की मंगलवार की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 135 पावर प्लांट्स में से 17 के पास एक दिन का भी कोयला नहीं है। इनकी कुल क्षमता 16,430 मेगावाट है। 34,930 मेगावाट क्षमता वाले 26 प्लांट्स में 1 दिन का कोयला बचा है। 40 प्लांट्स में 2 से 3 दिन का कोयला है, जो 51,419 मेगावाट बिजली पैदा करते हैं। 32 प्लांट्स में 4 से 6 दिन के लिए कोयला बचा है, वहां 37,435 मेगावाट बिजली बनती है। कोल इंडिया से लगातार सड़क-रेल से सप्लाई भी हो रही है, इसलिए स्टॉक में बदलाव भी हो रहा है। 16 पावर प्लांट्स खदानों के बिल्कुल करीब हैं, इन्हें सड़क या रेल से कोयला नहीं भेजना होता। कोयला खदानों से निकालकर सीधे प्लांट में पहुंचता है।

• शेष पेज 6 पर

**देश में कोयला आधारित पावर प्लांट की स्थिति (मंगलवार को मेगावाट में)**

| | क्षमता | कम उत्पादन | कटौती |
|---|---|---|---|
| **छत्तीसगढ़** | | | |
| स्टेट सेक्टर | 2840 | 710 | -75% |
| निजी सेक्टर | 13168 | 5043 | 38% |
| सेंट्रल सेक्टर | 7680 | 1710 | 22% |
| **गुजरात** | | | |
| स्टेट सेक्टर | 5410 | 2155 | 40% |
| निजी सेक्टर | 10682 | 8625 | 80% |
| **मध्य प्रदेश** | | | |
| स्टेट सेक्टर | 5400 | 1910 | 35% |
| निजी सेक्टर | 8870 | 1540 | 18% |
| सेंट्रल सेक्टर | 7680 | 710 | 9.2% |
| **महाराष्ट्र** | | | |
| स्टेट सेक्टर | 9540 | 2340 | 25% |
| निजी सेक्टर | 10676 | 5076 | 48% |
| सेंट्रल सेक्टर | 3640 | 660 | 28% |
| **हरियाणा** | | | |
| स्टेट सेक्टर | 2510 | 1410 | 56% |
| निजी सेक्टर | 1500 | 0 | |
| सेंट्रल सेक्टर | 1320 | 0 | |
| **पंजाब** | | | |
| स्टेट सेक्टर | 1760 | 630 | 38% |
| निजी सेक्टर | 3920 | 930 | 24% |

**पंजाब में बिजली उत्पादन 38% कम....** राजस्थान और झारखंड के पावर प्लांट्स में क्रमशः 51% और 50% बिजली कम बन रही है। छत्तीसगढ़ के पावर प्लांट्स के उत्पादन में 25% की कमी आई है। दक्षिण के राज्यों की बात करें तो आंध्र प्रदेश के पावर प्लांट्स में 45% बिजली उत्पादन कम हो रहा है। कर्नाटक के पावर प्लांट्स में 62% कम उत्पादन हो रहा है। तमिलनाडु और तेलंगाना की स्थिति बेहतर है। वहां दोनों स्थानों पर क्रमशः 5 और 2% ही उत्पादन में कमी आई है।

**केंद्र सरकार ने कोल इंडिया से कोयला आपूर्ति बढ़ाने को कहा:** केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि 20-21 अक्टूबर तक कोयला आपूर्ति 19.5 लाख टन से बढ़ाकर 20 लाख टन प्रतिदिन हो जाएगी। बिजली उत्पादन इकाइयों को कोयले की कमी नहीं होगी। कोल इंडिया के पास 22 दिन का स्टॉक है। हालांकि, सरकार ने कोल इंडिया की आपूर्ति को नाकाफी मानते हुए उससे इसमें और तेजी लाने को कहा है। केंद्र ने राज्यों को चेतावनी दी है कि अगर उनकी बिजली इकाइयां बढ़े हुए दामों का फायदा उठाने के लिए बिजली बेचने हुए पाई गईं तो उनके कोटे का कोयला घटाया जाएगा।

**कोयला कोष: 137 में से 26 प्लांट्स में 1 दिन...**

इन प्लांट्स की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 35,200 मेगावाट है और इन प्लांट्स के पास औसतन करीब 5 दिन का स्टॉक उपलब्ध है। जबकि देश के बाकी 119 पावर प्लांट्स में 10 प्लांट्स कोयला खदानों से 1500 किलोमीटर से अधिक की दूरी या समुद्री तटों के करीब हैं। ऐसे 10 प्लांट्स में से 8 प्लांट्स के पास 5 दिन और 2 प्लांट्स के पास 9 दिन का कोयला स्टॉक में है। बाकी 109 प्लांट्स में से 70 के पास 4 दिन और 26 प्लांट्स के स्टॉक में 7 दिन का कोयला उपलब्ध है।

**पीएमओ के निर्देश: मंत्रालय कोयले की आपूर्ति बढ़ाए,**

**रेलवे रैक बढ़ाए:** इधर, प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को कोयले की आपूर्ति और बिजली उत्पादन की स्थिति की समीक्षा की। राजस्थान से लेकर केरल तक बिजली संकट के बीच ऊर्जा सचिव आलोक कुमार और कोयला सचिव एके जैन ने बिजली और कोयले की आपूर्ति की स्थिति की पूरी जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक कोयला मंत्रालय को आपूर्ति बढ़ाने के साथ ही रेलवे को इसके लिए रैक मुहैया कराने को कहा गया है।

पंजाब केसरी
दिनांक 13-10-2021

# कोयला संकट : पावरकॉम के पास 300 लाख यूनिट की कमी, प्लांटों के 14 यूनिट रहे बंद

## गांवों में 11.30 घंटे लगे बिजली कट, कुछ दिन तक स्थिति सुधरने की उम्मीद नहीं

पटियाला, 12 अक्तूबर (मनदीप सिंह जोसन): कोयला संकट के कारण पावरकॉम के महंगी बिजली खरीदने के बाद भी हाथ पूरी तरह खड़े हैं। ब्लैक आऊट की ओर बढ़ रहे पंजाब में आज भी डिमांड व सप्लाई में बड़ा अंतर रहा तथा पावरकाम को मांग के मद्देनजर 300 लाख यूनिट बिजली की कमी रही जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कट 11.30 घंटे के करीब पहुंच गए। पावरकॉम के पास पंजाब में डिमांड 2100 लाख यूनिट थी, जिसके मुकाबले 1800 लाख यूनिट के करीब ही बिजली सप्लाई मिल सकी। 300 लाख यूनिट के अंतर ने पावरकाम के पसीने छुड़ा दिए। पावरकॉम को थर्मल प्लांटों से 225 लाख यूनिट बिजली मिली है।

एन.आर.एस.ई. से 71 लाख, बी.बी.एम.बी. से 117 लाख जबकि पावरकॉम ने आज भी 1300 लाख यूनिट बिजली की खरीद की है। पावरकॉम ने माना कि थ्री वायर पर कट साढ़े 9 घंटे से 10 घंटे लगे हैं। हालांकि कट 11 घंटे तक पहुंच गए। शहरी क्षेत्रों में भी आज 6 से 9 घंटे तक बिजली कट लगे। कोयले की कमी के कारण पावरकॉम प्लांटों के 14 यूनिट यानी कि 2 बड़े पावर प्लांट बंद रहे। आज भी श्री गुरु गोबिंद सिंह सुपर थर्मल प्लांट में सिर्फ 3 दिन का कोयला था। गुरु हरगोबिंद थर्मल प्लांट में ढाई दिन का, तलवंडी साबो में डेढ़ दिन का, राजपुरा में 2 दिन का, जी.वी.के. में एक दिन का कोयला ही था तथा आगामी दिनों में भी यह स्थिति सुधरती नजर नहीं आ रही। हिदायतों के मुताबिक प्राइवेट व सरकारी थर्मल प्लांटों को 30 दिन का कोयले का स्टॉक रखना जरूरी है लेकिन यह स्टाक 3 से 4 दिन का रखा जा रहा था।

## 14 रुपए 56 पैसे की दर से खरीदी 1600 मैगावॉट बिजली

पावरकॉम के चेयरमैन ने दावा किया है कि आज भी 1600 मैगावॉट बिजली 14.56 रुपए के हिसाब के साथ कटों को घटाने के लिए खरीदी है। यहां ही बस नहीं आज पावरकॉम को 23 कोयले के रैकों की जरूरत थी, जबकि सिर्फ 13 ही प्राप्त हुए हैं। रोपड़ व जी.वी.के. का एक-एक यूनिट चल पड़ा है, जबकि आनंदपुर साहिब हाईडल भी चलाया गया है।

The Times of India
Date 13-10-2021

# Haryana's 3 power plants 'have coal stock for 7-10 days'

Manvir.Saini@timesgroup.com

**Chandigarh:** The Haryana power utilities on Tuesday claimed to have enough stocks to run its power plants in Panipat, Yamunanagar and Hisar districts, in contrast to the situation prevailing in neighbouring Punjab. Haryana's own supply was of 220MW from units 7 and 8 of Panipat Thermal Power Plant (PTPL) and 900MW unit each from Rajiv Gandhi Thermal Power Plant (RGTPP) Khedar, Hisar, and Deenbandhu Chhotu Ram Thermal Power Plant in Yamunangar. Haryana Power Generation Corporation Limited (HPGCL) officials said these four units are consuming 25,200MT of coal per day, which is roughly around six rakes a day. According to sources, one more unit of Khedar of 600 MW is likely to start functioning by month end.

Haryana has a daily consumption of 15 crore to 17 crore units of electricity. While around 45% to 50% of the supply is procured through long term power purchase agreements of the state, the rest is supplied via own three power plants. The state procures electricity from BBMB, two power projects of Jharli in Jhajjar district and other power plants in the country on barter basis, said officials.

"Unlike our neighboring states of New Delhi and Punjab, we are comfortable when it comes to electricity supply in the state. We have adequate and economical power purchase agreements in place to cater to any kind of need during the paddy sowing season. So is the coal linkage," said additional chief secretary (power) P K Das.

Enquiries revealed that Khedar plant has coal stocks of 10 days, while Panipat and Yamunanagar plants have stocks of eight and seven days, respectively. "The coal linkage issue is a yearly exercise. We got two rakes today and will have eight more over the next three days," said HPGCL MD M. Shayin.